

ਪ੍ਰਭੂ ਜੀ ਏ

ਦਫ਼ਤਰੀ ਮੁਸ਼ਾਵਰ:

(੮.੭ | ੦.੭ | ੨.੨.੨੦)

ब्राह्मी लिपि ज्ञान

चन्द्रगुप्तभारतीयः

(०६/०७/२०२०)

१ ओ

१ ओ (ओङ्म् / ओङ् / ऊँ)

१ ओङ् / ओङ्म्

↓

१ ओङ्

ब्राह्मी लिपि

१ ओङ्

१ ओङ्

↓

चन्द्रगुप्त भारतीयः

ओङ्म्
(फ्लुतो-चारण)

१/१/२२

(०६/०७/२०२०)

स्वराः ध्रुवः

वर्णाः → अ आ इ ई
 व्यंजनाः → क ख ग घ ङ / च छ ज झ ञ / ट ठ ड ढ / त थ द ध न / प फ ब भ म / य र ल व श ष स ह ण ॠ ॡ
 मात्राः → (नहीं) ण / ट ठ ड ढ / त थ द ध न / प फ ब भ म / य र ल व श ष स ह ण ॠ ॡ
 अक्षरः → (16) क ख ग घ ङ / च छ ज झ ञ / ट ठ ड ढ / त थ द ध न / प फ ब भ म / य र ल व श ष स ह ण ॠ ॡ
 यथा → क का कि की
 यथा → + + + +

क
ख
ग
घ
ङ

वर्णः →

उ

ऊ

ऊ

ऋः →

L

L

मात्राः →

ऋः →

७
—/—११
—/—

यथा →

कु / दु

कु / दु

अथ →

± / ५

± / ५

वर्णाः → अ इ ई औ

ह्रस्वः →   ऌ ॡ

मात्राः → १ ११ १ १

ह्रस्वः → - = -- ==

यथा → के कै की कौ

जो → ङ ञ ण ण

↓
औ औं औंम्
७ ७ ७

वर्णः →	प्र	र	ल
रूपः →	x	x	2
मात्राः →	c	e	u
रसः →	-		3
यथा →	कू	कू	कलू
जो →	±	±	±

अनुस्वारः

[अं
अं
अं]

[इं
इं
इं
कं]

विसर्गः

[ः
अः
अः]

[ः
इः
इः
कः]

व्यञ्जनानि ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

क	ख	ग	घ	ङ
+	ॐ/ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

च	छ	ज	झ	ञ
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

ट	ठ	ड	ढ	ण
ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

त	थ	द	ध	न
ॐ/ॐ/ॐ	ॐ	ॐ	ॐ	ॐ

प फ ब भ म
 ८/८ ८/८ □ ८ ४

य र ल व
 ५ १ ८ ८/८

श ष स
 ८/८ ८/८ ८

ह

८

अक्षरमाळा

२५४५

क क का कि की कु कू

१ १ १ १ १ १ १

कै के की कौ कृ कृ कं कः

१ १ १ १ १ १ १

ख ख खा खि खी खु खू खे

१ १ १ १ १ १ १

खै खी खी खू खू खं खः

१ १ १ १ १ १ १

कल

१

खल

१

ग ग गा गि गी गु गू गै
 ं ँ ऌ ऍ ऎ ए ऐ ऑ
 गी गो गौ गृ गृ ग्लृ गं गः
 ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङः

घ घ घा धि धी धु धू धै धौ
 ऌ ऍ ऎ ए ऐ ऑ
 धी धौ धृ धृ ध्लृ धं धः
 ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङः

३. ३. ३. ३. ३. ३. ३. ३.
 ३ ३/३ ३/३ ३/३ ३ ३ ३/३ ३/३
 ३ ३. ३. ३. ३. ३.
 ३/३ ३/३ ३ ३ ३ ३.

च च चा चि ची चु चू चे
 व व वा वि वी वु वू वे
 य य या यि यी यु यू ये
 र र रा रि री रु रू रे
 ल ल ला लि ली लु लू ले
 द द दा दि दी दु दू दे

ख ख खा खि की कु कू के
 ग ग गा गि गी गु गू गे
 घ घ गा घि घी गु गू गे
 ङ ङ ना नि नी नु नू ने
 ट ट टा ति ती तु तू ते

ज जा जि जी जु जू जै जे
 ङ ङ/ङ ङ/ङ ङ/ङ ङ/ङ ङ ङ ङ/ङ ङ/ङ
 जो जौ जू जू जलू जं जः
 ङ/ङ ङ/ङ ङ ङ ङ ङ ङः

झ डा क्षि झी झु झू झै जे
 ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङ
 जो जौ जू जू जलू जं जः
 ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङः

ज जा जि जी जु जू जै जे
 ङ/ङ ङ/ङ ङ ङ ङ ङ/ङ ङ/ङ ङ
 जो जौ जौ जू जू जलू जं जः
 ङ ङ ङ ङ ङ ङ ङः

ਟ ਟਾ ਟਿ ਟੀ ਟੁ ਟੂ ਟੇ ਟੈ ਟੀ
 ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ/ਟ ਟ/ਟ ਟ/ਟ
 ਟੀ ਟ ਟ ਟੁ ਟੰ ਟ:
 ਟ/ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ ਟ:

ਰ ਰਾ ਰਿ ਰੀ ਰੁ ਰੂ ਰੇ ਰੈ ਰੀ
 ਰ ਰ/ਰ ਰ/ਰ ਰ/ਰ ਰ ਰ ਰ/ਰ
 ਰੀ ਰੀ ਰੀ ਰੁ ਰੁ ਰੁ ਰੰ ਰ:
 ਰ/ਰ ਰ/ਰ ਰ/ਰ ਰ ਰ ਰ ਰ:

ਤ ਤਾ ਤਿ ਤੀ ਤੁ ਤੂ ਤੇ ਤੈ ਤੀ
 ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ/ਤ ਤ/ਤ ਤ/ਤ
 ਤੀ ਤੀ ਤੀ ਤੁ ਤੁ ਤੁ ਤੰ ਤ:
 ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ ਤ:

द दा दि दी दु डू ई

द डू दू ई द डू दू ई
द डू दू ई द डू दू ई
द डू दू ई द डू दू ई

ण ना नि नी नु नू नी

ण ना नि नी नु नू नी
ण ना नि नी नु नू नी
ण ना नि नी नु नू नी

त त ता ति ती तु तू तै
 २/२/२ २ २ २ २ २ २ २ २
 तै ती तौ तृ तृ लृ तं तः
 त्र त्र त्र २ २ २ २ २ २:

थ थ था थि थी थु थू
 ० ० ०/० ०/० ०/० ० ०
 थै थै थौ थौ थृ थृ थं थः
 ०/० ०/० ०/० ०/० ० ० ० ०:

द द दा दि दी दु दू दै दै दी
 २ २ २ २ २ २ २ २ २
 दै दृ दृ दृ दं दः
 २ २ २ २ २ २:

ध धा धि धी धु धू

ॢ ॣ । ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

धी धी धी धी धू धू

ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ

धल धं धः

ॣ ॣ ॣ

न ना नि नी नु नू

ॢ ॣ । ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

नी नी नी नी नू नू नल नं नः

ॢ ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ ॣ

प पा पि पी पु पू पै
 ँ ए ऐ औ अ इ ई
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

फ फा फि फी फु फू फै
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

ब बा बि बी बु बू बै
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

भ

भ

भ भा भि भी भु भू भं
 भ भ/भ भ/भ भ/भ भ भ/भ
 भं भो भौ भू भृ भ्लू भं भः
 भै/भ भै/भ भै/भ भ भ भ भं भः

म

म

म मा मि मी मु मू
 म म/म म/म म/म म म/म
 मं मौ मी मी मू मू
 म/म म/म म/म म/म म म
 म्लू मं मः
 म म मः

य या यि यी यु यू ये
 यै यी यौ यू यल्ल यं यः
 यै यी यौ यू यल्ल यं यः

व वा वि वी वु वू वे
 वै वी वौ वू वल्ल वं वः
 वै वी वौ वू वल्ल वं वः

र रा रि री रु रू रे
 रै री रौ रू रल्ल रं रः
 रै री रौ रू रल्ल रं रः

$$2 = \mathbb{F}_2$$

शु
शु

श शा शि शी शु सू शी शी शी

श/श

श श श श श श श श श श

शी शृ/शृ शृ/शृ शृ/शृ शृ/शृ शं शः

श श श श श श श श शः

ष

ष पा पि पी पु पू पे

ष/ष

ष ष ष ष ष ष ष

षी पी पी पृ पृ पृ पं पः

ष ष ष ष ष ष षः

स

स सा सि सी सु सू से

स/स

स स स स स स स

सी सी सी सृ सृ सृ सं सः

स स स स स स सः

ਹ	ਹਾ	ਹਿ	ਹੀ	ਹੁ	ਹੁ	ਹੁ	ਹੁ
ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ
ਹੈ	ਹੀ	ਹੀ	ਹੁ	ਹੁ	ਹੁ	ਹੁ	ਹੁ
ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ	ੜ

संयुक्त व्यञ्जन

classmate

Date _____

Page _____

संयुक्त व्यञ्जन के नियम -

संयुक्त व्यञ्जन का ब्राह्मी लिपि में एक ही नियम है। स्वर रहित व्यञ्जनों अर्थात् शुद्ध व्यञ्जन (यथा क, प, द) ऊपर तथा स्वरयुक्त व्यञ्जन उसके नीचे होता है। यथा -

$$\boxed{\text{त्व}} = \text{त} + \text{व} = \text{त्व}$$
$$\bar{\text{त}} + \text{व} = \text{तव}$$

$$\boxed{\text{धम}} = \text{ध} + \text{म} = \text{धम}$$
$$\bar{\text{ध}} + \text{म} = \text{धम}$$

$$\boxed{\text{म्र}} = \text{म} + \text{र} = \text{म्र}$$
$$\bar{\text{म}} + \text{र} = \text{मर}$$

संयुक्तव्यञ्जनानि
तं ङ्रं ङ्रं ङ्रं

$\boxed{\text{व्र}} = \text{व्} + \text{र} = \text{व्र} \rightarrow \text{व्रा}$
 $\text{व} + \text{र} = \text{व्र} \rightarrow \text{व्र} / \text{व्र}$

$\boxed{\text{ह्र}} = \text{ह्} + \text{म} = \text{ह्र} \rightarrow \text{ह्री}$
 $\text{ह} + \text{म} = \text{ह्र} \rightarrow \text{ह्र} / \text{ह्र}$

ब्राह्मी
 व्रह्म / व्रह्म

$\boxed{\text{श्र} / \text{श्र}} = \text{श्} + \text{र} = \text{श्र} / \text{श्र}$
 $\text{श} + \text{र} = \text{श्र}$

श = श्र

$$\boxed{\text{स}} = \text{स्} + \text{र} = \text{स्र}$$

$$\bar{\text{ह}} + \text{३} = \text{ह्र}$$

$$\boxed{\text{क्ष}} = \text{क्} + \text{ष} = \text{क्ष}$$

$$\bar{\text{३}} + \text{८} = \text{८}$$

$$\boxed{\text{ज्ञ}} = \text{ज्} + \text{ञ} = \text{ज्ञ}$$

$$\bar{\text{६}} + \text{१} = \text{६}$$

$$\boxed{\text{त्र}} = \text{त्} + \text{र} = \text{त्र} / \text{त्र}$$

$$\bar{\text{३}} + \text{३} = \text{३}$$

$$\boxed{\text{क्व}} = \text{क्} + \text{व} = \text{क्व}$$

$$\bar{\text{३}} + \text{०} = \text{३}$$

$$\boxed{\text{क}} = \text{क} + \text{०} = \text{क}$$

$$\bar{\text{क}} + 0 = \bar{\text{क}}$$

$$\boxed{\text{ख}} = \text{क} + \text{२} = \text{ख}$$

$$\bar{\text{क}} + 2 = \bar{\text{ख}}$$

$$\boxed{\text{ग}} = \text{क} + \text{४} = \text{ग}$$

$$\bar{\text{क}} + 4 = \bar{\text{ग}}$$

$$\boxed{\text{घ}} = \text{क} + \text{६} = \text{घ}$$

$$\bar{\text{क}} + 6 = \bar{\text{घ}}$$

$$\boxed{\text{ङ}} = \text{क} + \text{८} = \text{ङ}$$

$$\bar{\text{क}} + 8 = \bar{\text{ङ}}$$

$$\boxed{\text{झ}} = \text{झ} + \text{भ} = \text{झ}$$

$$\text{झ} + \text{भ} = \text{झ}$$

$$\boxed{\text{ञ}} = \text{ञ} + \text{ग} = \text{ञ}$$

$$\text{ञ} + \text{ग} = \text{ञ}$$

$$\boxed{\text{झ}} = \text{झ} + \text{य} = \text{झ}$$

$$\text{झ} + \text{य} = \text{झ}$$

$$\boxed{\text{क}} = \text{क} + \text{र} = \text{क}$$

$$\text{क} + \text{र} = \text{क}$$

$$\boxed{\text{क्र}} = \text{क} + \text{र} = \text{क्र}$$

$$\text{क} + \text{र} = \text{क्र}$$

$$\boxed{\text{क्त}} = \text{क्} + \text{त} = \text{क्त}$$

$$\bar{\text{त}} + \text{त} = \text{त}$$

$$\boxed{\text{ह्य}} = \text{ह} + \text{य} = \text{ह्य}$$

$$\bar{\text{य}} + \text{य} = \text{य}$$

$$\boxed{\text{हम}} = \text{ह} + \text{म} = \text{हम}$$

$$\bar{\text{म}} + \text{म} = \text{म}$$

$$\boxed{\text{प्र}} = \text{प्} + \text{र} = \text{प्र}$$

$$\bar{\text{र}} + \text{र} = \text{र}$$

$$\boxed{\text{प्प}} = \text{प्} + \text{प} = \text{प्प}$$

$$\bar{\text{प}} + \text{प} = \text{प}$$

$$\boxed{\text{क्क}} = \text{क्} + \text{क} = \text{क्क}$$

$$\bar{+} + + = \bar{+}$$

$$\boxed{\text{भ्र}} = \text{भ्र} + \text{र} = \text{भ्र}$$

$$\bar{+} + \text{र} = \bar{+}$$

$$\boxed{\text{ध्व}} = \text{ध्व} + \text{व} = \text{ध्व}$$

$$\bar{0} + \text{व} = \bar{0}$$

$$\boxed{\text{क्व}} = \text{क्} + \text{व} = \text{क्व}$$

$$\bar{+} + \text{व} = \bar{+}$$

$$\boxed{\text{म्म}} = \text{म्} + \text{म} = \text{म्म}$$

$$\bar{४} + ४ = \bar{४}$$

$$\boxed{\text{द}} = \text{द} + \text{त} = \text{द}$$

$$\bar{\text{द}} + \text{त} = \text{द}$$

$$\boxed{\text{ड}} = \text{द} + \text{ग} = \text{ड}$$

$$\bar{\text{द}} + \text{ग} = \text{ड}$$

$$\boxed{\text{कत}} = \text{क} + \text{त} = \text{कत}$$

$$\bar{\text{क}} + \text{त} = \text{कत}$$

$$\boxed{\text{कग}} = \text{क} + \text{ग} = \text{कग}$$

$$\bar{\text{क}} + \text{ग} = \text{कग}$$

$$\boxed{\text{तग}} = \text{त} + \text{ग} = \text{तग}$$

$$\bar{\text{त}} + \text{ग} = \text{तग}$$

$$\boxed{\text{त्त}} = \text{त्} + \text{त} = \text{त्त} / \text{त्त}$$

$$\bar{\text{त}} + \text{त} = \text{त}$$

अपवाद (विशिष्ट रूप) :-

* प्राप्त ब्राह्मी लिपि की पाण्डुलिपियों में प्र संयुक्ताक्षर को 'प' के रूप में देखने को मिलता है। यथा

$$\boxed{\text{प्र}} = \text{प्} + \text{र} = \text{प्र} \rightarrow \text{के स्थान पर ---}$$

$$\bar{\text{र}} + \text{र} = \text{र}$$

$$\boxed{\text{पि}} = \text{र} + \text{प} = \text{पि} \rightarrow \text{ऐसा देखने को मिलता है}$$

$$\bar{\text{प}} + \text{प} = \text{प}$$

यथा - 'प्रिये'

(१.) → पाण्डुलिपि में प्राप्त रूप -

$$\boxed{\text{पिउ}} = \bar{\text{प}} + \text{र} + \text{उ} = \text{पिउ}$$

$$\text{र} + \text{पि} + \text{यै} = \text{प्रिये}$$

अन्यत्र भी देखने की मिलते हैं।
यथा -

नियमानुसार

प्राप्त उदाहरणानुसार

त त् + र = त्र / त्र
 ण + इ = ण

रु + त = र्त
 ई + ण = ई

क्र क् + र = क्र
 ण + इ = ण

रु + क = र्क
 ई + त = ई

व्यौ व् + यी = व्यौ
 ठ + उ = ठु

यू + वी = व्यौ
 उ + ठ = ठु

स्त्रा स् + त् + रा = स्त्रा
 त् + ण + इ = त्रु

रु + सा = र्सा
 ई + त् = ई

ब्रा ब् + रा = ब्रा
 ष + इ = ष / ष

रु + वा = र्वा
 ई + ष / ष = ष

नियमानुसार

प्राप्त उदाहरणानुसार

प्रि प् + रि = प्रि

रु + पि = रि

८ + ५ = ६

३ + ८ = ५

व्र व् + र = व्र

रु + व = र्व

० + १ = १

१ + ० = १

प्र प् + र = प्र

रु + प = र्प

८ + ६ = ६

१ + ८ = ६

इस परिवर्तन के कारण:-

- * ब्राह्मी लिपि के प्राकृत भाषा में प्राप्त पाण्डु-लिपियों के उदाहरणों में 'प्र, व्र, क' आदि 'र्प, र्व, र्क' के रूप में मिलते हैं। इसके कई कारण हो सकते हैं, यथा - ① सम्भवतः उस

→

समय ऐसा ही लिखा जाता है; जो अशुद्ध है; क्योंकि यदि 'प्र' को 'र्ष' लिखा जाएगा, तो फिर 'र्ष' को कैसे लिखेंगे फिर १११

❖ ② भ्रमवश 'प्र' (प् + र) को 'र्ष' (र् + ष) लिखना तथा समझना; जैसा कि आज भी इनका (प्र, र्ष) के वर्तनी-विन्यास में ही जाता है।

❖ ③ पाण्डुलिपि लिखने वाले का दोष, जिसने जो त्रुटि एक बार लेखन में कर दी उसी की पुनरावृत्ति बार-बार हुई। यद्यपि उच्चारण शुद्ध रहा होगा त्रुटि अथवा दोष केवल लेखन में ही।

ब्राह्मी लिपि के कुछ उदाहरण

[इंद्र चंद्र + त्रिक : ५७५१]

१. अतृणै पतिता वह्निः स्वयमेवौय
शाम्यति ।

अतृणै पतिता वह्निः स्वयमेवौय
शाम्यति ।

२. आहारै व्यवहारै च त्वत्तलज्जः सुखी
भावेत् ।

आहारै व्यवहारै च त्वत्तलज्जः सुखी
भावेत् ।

३. आर्जवं हि कुटिलेषु नीतिः ।

आर्जवं हि कुटिलेषु नीतिः ।

४. अति सर्वत्र वर्जयेत् ।

अ० लुङ् लृट् लृज् ।

५. अवश्यमेव भोक्तव्यं कृतं कर्म
शुभाशुभम् ।

अ० लृट् लृज् लृज् ।

६. आत्मवत् सर्व भूतानि ।

अ० लृट् लृज् लृज् ।

७. उपदेशो हि मूर्खीणां प्रकीर्णाय न शान्तये ।

अ० लृट् लृज् लृज् ।

८. किं जीवितेन पुरुषस्य निरक्षरेण ।

अ० लृट् लृज् लृज् ।

८. सङ्घः शक्तिः कलौ युगे ।

लृङ् १५: +उ ५७ ।

१०. अविर्वैकः परमापदां पदम् ।

प्र ४३४: ७४७५. ७४४ ।

११. वरमद्य कपोतः स्त्री मयूरात् ।

७४४५ +८४: ४५ ४५५२ ।

१२. शठे शाठ्यं समाचरेत् ।

१० ४५५ लृङ् ७४४३२ ।

१३. वीरभोग्या वसुन्धरा ।

४५५५ ७४५५ ।

१४. अतिपदैर्दृता लङ्का ।
 त्रस्युत्तु त्रस्युत्तु ।

१५. अर्धो घटो द्यौषमुपैति नूनम् ।
 त्रस्युत्तु त्रस्युत्तु ।

१६. सर्वे भवन्तु सुखिनः ।
 त्रस्युत्तु त्रस्युत्तु ।

१७. सर्वे सन्तु निरामयाः ।
 त्रस्युत्तु त्रस्युत्तु ।

१८. सर्वे भद्राणि पश्यन्तु ।
 त्रस्युत्तु त्रस्युत्तु ।

१६. मा कश्चिद्दुःखभाग्भवत् ।
ॐ नमोः शान्तिः ।

२०. सर्वं खल्विदं ब्रह्म ।
तद्गुणं त्र्यम्बकं ।

२१. अयमात्मा ब्रह्म ।
त्र्यम्बकं त्र्यम्बकं ।

२२. प्रज्ञानं ब्रह्म ।
तद्गुणं त्र्यम्बकं ।

२३. अहं ब्रह्मास्मि ।
त्र्यम्बकं त्र्यम्बकं ।

२४. ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किञ्च जगत्यां
जगत् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२५. तेन त्यक्तेन भुञ्जीथ ।

नान्नामृतेन ।

२६. मा गृधः कस्य स्विधनम् ।

उच्यते तस्मै ।

२७. वसुधैव कुटुम्बकम् ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२८. तत्त्वमसि ।

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ।

२६. आत्मा वारं द्रष्टव्यः ।

*२४ ०३ १५: ।

३०. श्रोतव्यः मन्तव्यः निदिध्यासितव्यः ।

*१५: ४५: १५५५५५: ।

३१. सा विद्या या विमुक्तये ।

८ ०५ ५ ०५५५ ।

३२. विद्या ददाति विनयम् ।

०५ १५५ ०५५५ ।

३३. दीपेन दीप्यते दीपः ।

१५५ १५५ १५: ।

३४. असतो मा सद्गमय ।

ॠतं ॠतुॠतु ।

३५. तमसो मा ज्योतिर्गमय ।

ॠतं ॠ दृॠॠतु ।

३६. मृत्योर्मा अमृतं गमय ।

ॠतुॠतु ॠॠॠॠॠॠ ।

३७. त्वमेव माता च पिता त्वमेव ।

ॠॠॠ ॠॠ व ॠॠ ॠॠॠ ।

३८. त्वमेव बन्धुश्च सखा त्वमेव ।

ॠॠॠ ॠॠॠॠ ॠॠ ॠॠॠ ।

३६. त्वमेव विद्या द्रविणं त्वमेव ।

५०० ०५ १०१ ५०० ।

४०. त्वमेव सर्वं मम देव देव ।

५०० ८६ ४४ ३० ३० ।

४१. आ नो भद्राः क्रतवी यान्तु विश्वतः ।

५ १ ८५ १४४ ५५ ०५५ ।

४२. बुभुक्षितः किन्न करोति पापम् ।

८८५ ५ ५५ ८८४ ।

४३. इति शुभम् ।

५५ ८८४ ।

नाम	संख्या	ब्राह्मी लिपि में अंक	अंक	Remarks
१	(1)	१	—	
२	(2)	२	==	
३	(3)	३	===	
४	(4)	४	५	
५	(5)	५	८	
६	(6)	६	९	
७	(7)	७	१०	
८	(8)	८	११	
९	(9)	९	१२	
१०	(10)	१०	१३	
०	(0)	०	१४	

ब्राह्मी लिपि में अङ्क

१०	α
२०	θ
३०	ϕ
४०	χ
५०	⊖
६०	⊥
७०	⊂
८०	⊕
९०	⊗
१००	स / ७
२००	७
५००	७
१०००	९
४०००	९७